GLOBAL MULTIDISCIPLINARY PERSPECTIVES JOURNAL

अफ्रीका में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल: अवसर, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ

रमन हलदार
शोधार्थी, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

* Corresponding Author: **रमन हलदार**

Article Info

ISSN (online): 3107-3972
Impact Factor (RSIF): 8.08
Volume: 03
Issue: 04
Received: 06-05-2026
Accepted: 04-06-2026
Published: 02-07-2026
Page No: 01-03

सारांश
21वीं सदी में चीन ने अपनी वैश्विक आर्थिक और सामरिक रणनीति को मजबूत करने के लिए वर्ष 2013 में **बेल्ट एंड रोड पहल (Belt and Road Initiative–BRI)** की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य एशिया, यूरोप और अफ्रीका के देशों को सड़क, रेल, बंदरगाह, ऊर्जा, संचार तथा व्यापारिक नेटवर्क के माध्यम से जोड़ना है। वर्तमान समय में 150 से अधिक देश किसी न किसी रूप में इस पहल से जुड़े हैं, जिनमें अधिकांश अफ्रीकी देश भी शामिल हैं।
अफ्रीका में बेल्ट एंड रोड पहल ने आधारभूत संरचना के विकास, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, परिवहन तथा औद्योगिक सहयोग को नई गति प्रदान की है। चीन ने रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह, हवाई अड्डों, बिजली संयंत्रों तथा औद्योगिक पार्कों के निर्माण में अरबों डॉलर का निवेश किया है। इन परियोजनाओं से कई अफ्रीकी देशों में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं और क्षेत्रीय संपर्क (Connectivity) में सुधार हुआ है।
हालाँकि, इस पहल के साथ कई चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। बढ़ता विदेशी ऋण, पर्यावरणीय प्रभाव, परियोजनाओं की पारदर्शिता, स्थानीय श्रमिकों की सीमित भागीदारी तथा चीन पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस होती रही है। इसके अतिरिक्त अमेरिका, यूरोपीय संघ और भारत जैसे देशों ने भी चीन की बढ़ती भू-राजनीतिक भूमिका को लेकर चिंता व्यक्त की है।
यह शोध-लेख अफ्रीका में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के उद्देश्यों, उपलब्धियों, अवसरों, चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

Keywords: बेल्ट एंड रोड पहल, चीन, अफ्रीका, अवसंरचना, निवेश, ऋण, भू-राजनीति, FOCAC।

परिचय

बेल्ट एंड रोड पहल की घोषणा वर्ष **2013** में कज़ाख़स्तान और इंडोनेशिया में राष्ट्रपति **शी चिनफिंग** द्वारा की गई थी। यह दो प्रमुख भागों पर आधारित है—

1. **सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट (Silk Road Economic Belt)** – स्थल मार्गों के माध्यम से एशिया और यूरोप को जोड़ने की योजना।
2. **21वीं सदी का समुद्री सिल्क रोड (21st Century Maritime Silk Road)** – समुद्री मार्गों के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच व्यापारिक संपर्क को मजबूत करना।

अफ्रीका मुख्य रूप से समुद्री सिल्क रोड का महत्वपूर्ण भाग है। हिंद महासागर, लाल सागर, स्वेज नहर और पूर्वी अफ्रीका के बंदरगाह इस परियोजना के लिए अत्यधिक रणनीतिक महत्व रखते हैं।
BRI के प्रमुख उद्देश्य हैं—

- वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देना।
- परिवहन एवं लॉजिस्टिक नेटवर्क का विस्तार।
- ऊर्जा आपूर्ति मार्गों को सुरक्षित बनाना।

- चीन और सहभागी देशों के बीच निवेश बढ़ाना।
- औद्योगिक सहयोग और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना।
- चीन की वैश्विक आर्थिक एवं सामरिक भूमिका को सुदृढ़ करना।

चीन का दावा है कि BRI का उद्देश्य "साझा विकास और साझा समृद्धि" (Shared Development and Shared Prosperity) को बढ़ावा देना है। वहीं कुछ विशेषज्ञ इसे चीन के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और भू-राजनीतिक रणनीति का महत्वपूर्ण साधन भी मानते हैं।

अफ्रीका में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल: अवसर, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ

अफ्रीका में बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) का विस्तार

चीन की बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) की शुरुआत के बाद अफ्रीका इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण भाग बन गया। वर्तमान में अधिकांश अफ्रीकी देशों ने चीन के साथ BRI से संबंधित समझौते किए हैं। चीन ने इस पहल के माध्यम से सड़क, रेलवे, बंदरगाह, ऊर्जा, दूरसंचार तथा औद्योगिक विकास में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य अफ्रीका की आधारभूत संरचना को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को गति देना है।

अफ्रीका में BRI के विस्तार का एक प्रमुख कारण यह है कि यहाँ लंबे समय तक आधारभूत संरचना में निवेश की कमी रही है। अनेक देशों में सड़क, रेलवे, बंदरगाह और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव आर्थिक विकास में बाधा बना हुआ था। चीन ने इस आवश्यकता को अवसर के रूप में देखा और विकास परियोजनाओं के माध्यम से अपनी आर्थिक एवं रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत किया।

चीन की कंपनियाँ सरकारी वित्तीय संस्थानों के सहयोग से परियोजनाओं का निर्माण करती हैं, जबकि वित्तपोषण मुख्य रूप से **चाइना एक्सिम बैंक (China Exim Bank)** तथा **चाइना डेवलपमेंट बैंक (China Development Bank)** जैसे संस्थानों द्वारा किया जाता है। इससे अफ्रीकी देशों को बड़ी परियोजनाओं के लिए आवश्यक वित्त उपलब्ध हुआ।

प्रमुख परियोजनाएँ

अफ्रीका में BRI के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ पूरी की गई हैं या निर्माणाधीन हैं।

1. केन्या: मोम्बासा–नैरोबी स्टैंडर्ड गेज रेलवे (SGR)

यह परियोजना अफ्रीका में चीन की सबसे महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं में से एक है। लगभग 470 किलोमीटर लंबी यह रेलवे मोम्बासा बंदरगाह को नैरोबी से जोड़ती है। इससे माल परिवहन का समय कम हुआ, व्यापार को गति मिली और पर्यटन को भी बढ़ावा मिला।

2. इथियोपिया–जिबूती रेलवे

यह विद्युत चालित रेलवे इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा को जिबूती बंदरगाह से जोड़ती है। चूँकि इथियोपिया स्थल-आवेष्ठित (Landlocked) देश है, इसलिए यह परियोजना उसके आयात-निर्यात के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

3. जिबूती बंदरगाह और सैन्य अड्डा

जिबूती लाल सागर और अदन की खाड़ी के निकट स्थित है। चीन ने यहाँ आधुनिक बंदरगाह के विकास के साथ अपना पहला विदेशी सैन्य अड्डा भी स्थापित किया है। इससे समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और चीन की रणनीतिक उपस्थिति दोनों को मजबूती मिली है।

4. नाइजीरिया की रेल परियोजनाएँ

नाइजीरिया में अबुजा–कडूना तथा लागोस–इबादान रेलवे जैसी परियोजनाओं के निर्माण में चीन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन परियोजनाओं ने देश के परिवहन नेटवर्क को बेहतर बनाया है।

BRI से प्राप्त आर्थिक अवसर

1. आधारभूत संरचना का विकास

BRI का सबसे बड़ा योगदान अफ्रीका में आधारभूत संरचना का विस्तार है। नई सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, पुल और बिजली परियोजनाओं ने कई देशों की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। बेहतर परिवहन व्यवस्था से व्यापार लागत में कमी आई है तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत हुआ है।

2. व्यापार और निवेश में वृद्धि

चीन आज अफ्रीका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। BRI के माध्यम से व्यापारिक संपर्क बढ़ने से अफ्रीकी देशों के लिए नए बाज़ार उपलब्ध हुए हैं। चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में वृद्धि ने औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया है।

3. ऊर्जा क्षेत्र का विकास

चीन ने कई अफ्रीकी देशों में जलविद्युत, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और बिजली उत्पादन परियोजनाओं में निवेश किया है। इससे ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है और औद्योगिक विकास को गति मिली है।

4. रोजगार के अवसर

BRI परियोजनाओं के कारण निर्माण, परिवहन, ऊर्जा और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। हालाँकि, यह भी देखा गया है कि कई परियोजनाओं में बड़ी संख्या में चीनी श्रमिकों को नियुक्त किया गया, जिससे स्थानीय रोजगार के लाभ अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाए।

5. औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय संपर्क

औद्योगिक पार्कों, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs) तथा लॉजिस्टिक नेटवर्क के विकास से कई अफ्रीकी देशों में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिला है। बेहतर संपर्क व्यवस्था ने क्षेत्रीय व्यापार और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र (AfCFTA) के उद्देश्यों को भी सहायता प्रदान की है।

बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) की प्रमुख चुनौतियाँ

यद्यपि बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) ने अफ्रीका में आधारभूत संरचना और आर्थिक विकास को गति दी है, फिर भी इसके क्रियान्वयन से जुड़ी कई गंभीर चुनौतियाँ सामने आई हैं।

1. ऋण स्थिरता (Debt Sustainability)

BRI की सबसे अधिक आलोचना अफ्रीकी देशों पर बढ़ते ऋण बोझ को लेकर होती है। चीन ने अनेक देशों को रेलवे, बंदरगाह, सड़क और ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर ऋण उपलब्ध कराया है। यदि परियोजनाओं से अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं मिलता, तो ऋण चुकाना कठिन हो जाता है। ज़ाम्बिया, केन्या और इथियोपिया जैसे देशों में ऋण प्रबंधन को लेकर समय-समय पर चिंताएँ व्यक्त की गई हैं। हालाँकि, कुछ विशेषज्ञों का मत है कि अफ्रीका के ऋण संकट के लिए केवल चीन को जिम्मेदार ठहराना

उचित नहीं है, क्योंकि कई देशों पर अन्य बहुपक्षीय और निजी ऋणदाताओं का भी कर्ज़ है।

2. पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव
बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं के कारण कई क्षेत्रों में पर्यावरणीय क्षति, वनों की कटाई, जैव विविधता पर प्रभाव और स्थानीय समुदायों के विस्थापन जैसी समस्याएँ सामने आई हैं। पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (Environmental Impact Assessment) और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को लेकर भी प्रश्न उठाए गए हैं।

3. पारदर्शिता और सुशासन
कुछ BRI परियोजनाओं में अनुबंधों की गोपनीयता, निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि परियोजनाओं की सफलता के लिए वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन अत्यंत आवश्यक हैं।

4. स्थानीय रोजगार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
यद्यपि BRI का उद्देश्य रोजगार सृजन भी है, लेकिन कई परियोजनाओं में बड़ी संख्या में चीनी कंपनियों और श्रमिकों की भागीदारी रही है। इससे स्थानीय श्रमिकों और उद्योगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया। साथ ही, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (Technology Transfer) भी सीमित रहा है।

5. भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा
BRI ने अफ्रीका को वैश्विक भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना दिया है। अमेरिका, भारत, यूरोपीय संघ और जापान जैसे देश भी अफ्रीका में अपने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ा रहे हैं। इससे अफ्रीकी देशों के सामने अवसर तो बढ़े हैं, लेकिन विभिन्न शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखना भी एक चुनौती बन गया है।

भविष्य की संभावनाएँ
चुनौतियों के बावजूद BRI का भविष्य पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। यदि चीन और अफ्रीकी देश पारदर्शिता, वित्तीय उत्तरदायित्व और स्थानीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें, तो यह पहल अफ्रीका के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
भविष्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग की संभावना अधिक है—

- **हरित ऊर्जा (Green Energy):** सौर, पवन और जलविद्युत परियोजनाओं में निवेश।
- **डिजिटल सिल्क रोड (Digital Silk Road):** 5G नेटवर्क, डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित सहयोग।
- **स्वास्थ्य सहयोग:** अस्पतालों, चिकित्सा प्रशिक्षण और दवा निर्माण में निवेश।
- **औद्योगिकीकरण:** विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs) और विनिर्माण उद्योग का विकास।
- **अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र (AfCFTA):** क्षेत्रीय व्यापार और संपर्क को मजबूत करने में BRI की भूमिका।

यदि चीन स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने, अधिक स्थानीय रोजगार सृजित करने और पर्यावरणीय मानकों का पालन करने पर बल देता है, तो BRI की स्वीकार्यता और प्रभावशीलता दोनों बढ़ सकती हैं।

निष्कर्ष
बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) 21वीं सदी की सबसे महत्वाकांक्षी वैश्विक विकास पहलों में से एक है। अफ्रीका में इस पहल ने आधारभूत संरचना, व्यापार, ऊर्जा, परिवहन और क्षेत्रीय संपर्क के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रेलवे, बंदरगाह, सड़क, ऊर्जा संयंत्र और औद्योगिक पार्क जैसी परियोजनाओं ने अनेक देशों में आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान की है और विकास के नए अवसर उत्पन्न किए हैं।
इसके साथ ही BRI से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी सामने आए हैं। बढ़ता ऋण, परियोजनाओं की पारदर्शिता, पर्यावरणीय प्रभाव, स्थानीय रोजगार और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दे इस पहल की दीर्घकालिक सफलता को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि चीन और अफ्रीकी देश ऐसी विकास रणनीति अपनाएँ जो आर्थिक लाभ के साथ-साथ सामाजिक, पर्यावरणीय और संस्थागत उत्तरदायित्व को भी महत्व दे।
भविष्य में BRI की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि परियोजनाएँ कितनी पारदर्शी, समावेशी और टिकाऊ (Sustainable) बनती हैं। यदि चीन स्थानीय क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अफ्रीकी देशों की विकास प्राथमिकताओं को केंद्र में रखकर सहयोग करता है, तो यह पहल अफ्रीका के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अंततः कहा जा सकता है कि अफ्रीका में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल केवल अवसंरचना निर्माण की परियोजना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति और दक्षिण-दक्षिण सहयोग की बदलती दिशा का भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। आने वाले वर्षों में इसका प्रभाव न केवल अफ्रीका, बल्कि संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भी दिखाई देगा।

संदर्भ

1. एल्डन सी. *चाइना इन अफ्रीका*। लंदन: ज़ेड बुक्स; 2007।
2. ब्रॉटिगम डी. *द ड्रैगन्स गिफ्ट: द रियल स्टोरी ऑफ चाइना इन अफ्रीका*। ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस; 2009।
3. ब्रॉटिगम डी. *चीनी ऋण और अफ्रीका: एक समालोचनात्मक अध्ययन*। बाल्टीमोर: जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी; 2020।
4. चीन जनवादी गणराज्य, विदेश मंत्रालय। *बेल्ट एंड रोड पहल*। बीजिंग: विदेश मंत्रालय, चीन जनवादी गणराज्य; 2024।
5. फोरम ऑन चाइना–अफ्रीका कोऑपरेशन (FOCAC)। *कार्य योजना एवं आधिकारिक दस्तावेज़*। बीजिंग: FOCAC; 2024।
6. अफ्रीकी विकास बैंक। *अफ्रीकी आर्थिक परिदृश्य 2024*। आबिदजान: अफ्रीकी विकास बैंक; 2024।
7. विश्व बैंक। *विश्व विकास संकेतक 2024*। वाशिंगटन, डी.सी.: विश्व बैंक; 2024।
8. संयुक्त राष्ट्र। *सतत विकास लक्ष्य (SDGs)*। न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र; 2024।
9. अफ्रीकी संघ। *अफ्रीका–चीन सहयोग और विकास*। अदीस अबाबा: अफ्रीकी संघ; 2024।
10. रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज़ (RIS)। *अफ्रीका में चीन का बढ़ता प्रभाव: आर्थिक और सामरिक आयाम*। नई दिल्ली: आरआईएस; 2023।